

एलीयाजक रै बेटा, औज़ि शमुएल



एलीयाजक रै बेटा, औज़ि शमुएल

Bangani
uttarkashi, uttrakhand, india



[Needs Copyright](#)



<http://creativecommons.org/licenses/by/4.0/>

You are free to make commercial use of this work. You may adapt and add to this work.

You must keep the copyright and credits for authors, illustrators, etc.

Big Book in Bangani language

Orange Level Book

परकाशण:-

NLCI

बंगाणी मसी समिति समू

दो बात

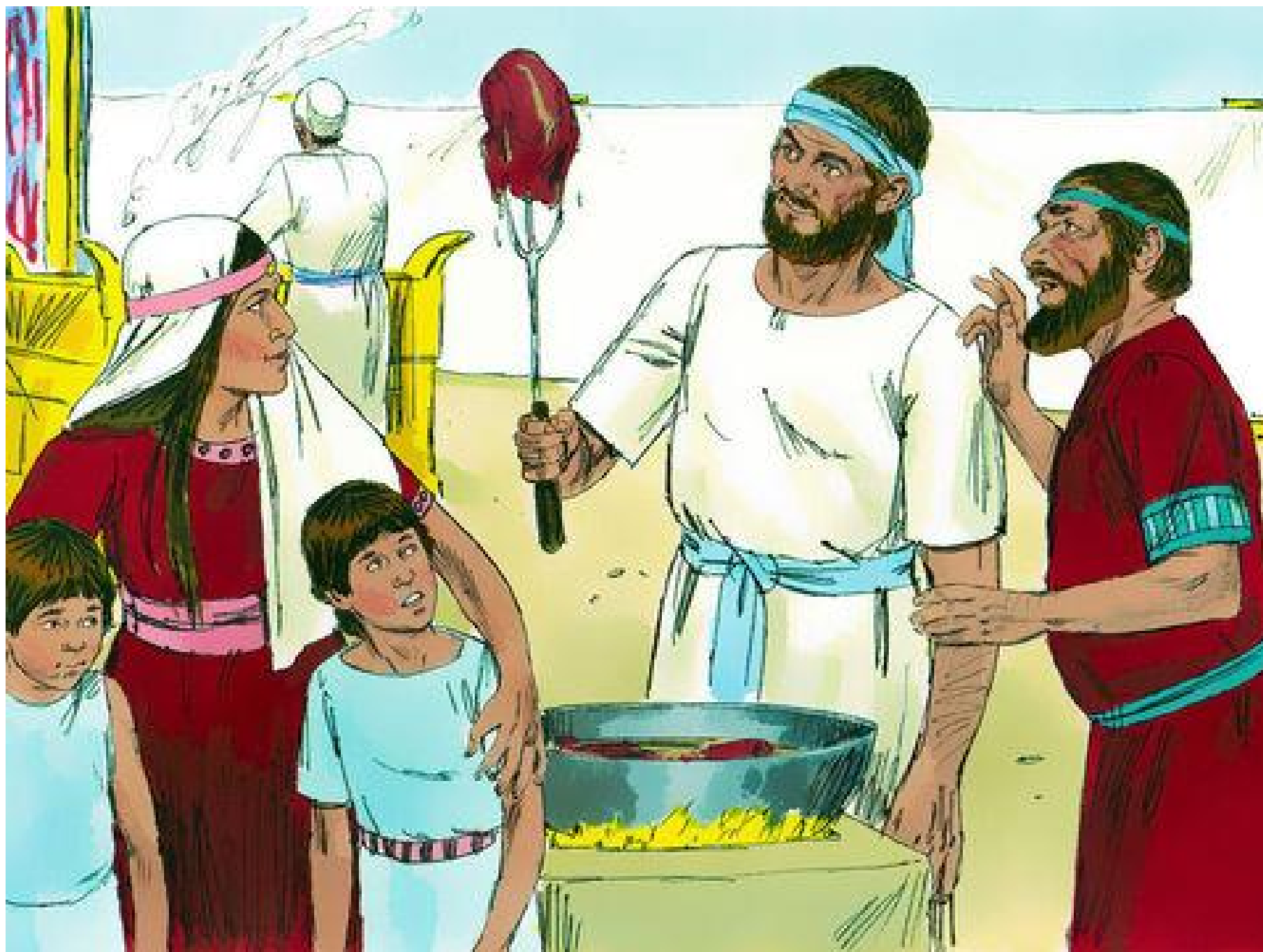
हम बंगाणी क्षेत्र में साक्षरता कार्यक्रम चला रहे हैं। जिसमें हमारा उद्देश्य यह है कि हमारे क्षेत्र के सभी लोग पढ़ना लिखना सीख सकें। उसी आधार पर इस किताब को भी तैयार किया गया है। यह एक कहानी की किताब है जिसमें एलीयाजक के बेटे और शमूएल के बारे में बहुत ही सरल रीति से बताया गया है इस कहानी को हमने अपनी मातृभाषा में ही तैयार किया है जिससे वह इस कहानी को आसानी से समझ सके। और अपनी मातृभाषा में पढ़ने और लिखने का प्रयास भी कर सकें।



एली रै दुइ बेटा थै, सै दुइया याजक थै, पर सै
दुइया पापी थै, सै परमेश्वरेइ ना ज़ाणैण थै, सेजै
बौक्ते दि याजक लोगु खि एशौ नियम थौ, जौ कोई
माणूछ बौळी चौड़ाये थौ, तै याजक रै सेवक मास
सिटान्दू बैरै तेसमाइं कौइ थोड़ौ पोरु गाड़ैण थै।



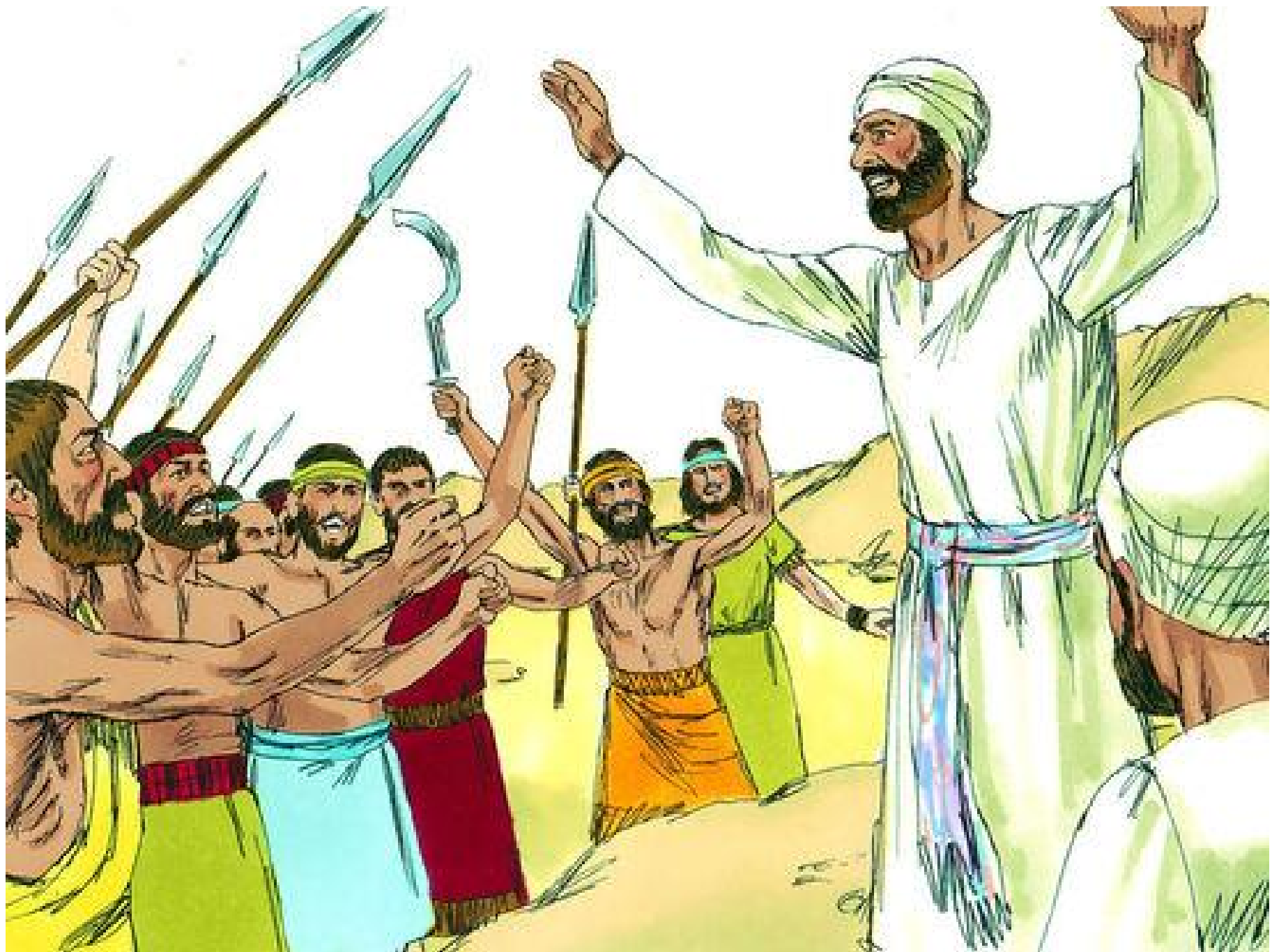
पर एली रै बेटा एशौ ना कौरैण थै औज़ि तिउँरै
सेवक एशौ कौरैण थै, जूण्जै लोग बेट चौड़ान्दै
आयैण थै, तिउँवारि बोलैण थै, कि आमारै याजक
खि बुज़णे खि मास दै, केलाकि याजक ताउँकौइ
सिटाऔन्दौ मास ना माँगदौ पर काचिया मास माँगै,
जौ कोई माणूछ तिउँवारी एशौ बोलै थौ, कि मासेइ
थोड़ौ सिटणै दै।



तै याजक रै सेवक तेस माणछै आरि एशौ बोलैण
थै, नाआ, आम्कै इब्बी दै, नाइतै आमैं जिड़ियौ
आफुइ गिणिण। एज़ी बौज़ै कौइ एली रै बेटाउँ रौ
पाप परमेश्वर रि नज़र दि बौरी बौड़ी गोअ थौ,
केलाकि सै परमेश्वर रि बेट रि निन्दा रौऐ थै कौरदै
लागी, औज़ि जुण्ज़ी छेउड़ियै तेत्कै सेवा कौरैण थी,
सै तिउँरै साथै कुकर्म कौरैण थै।



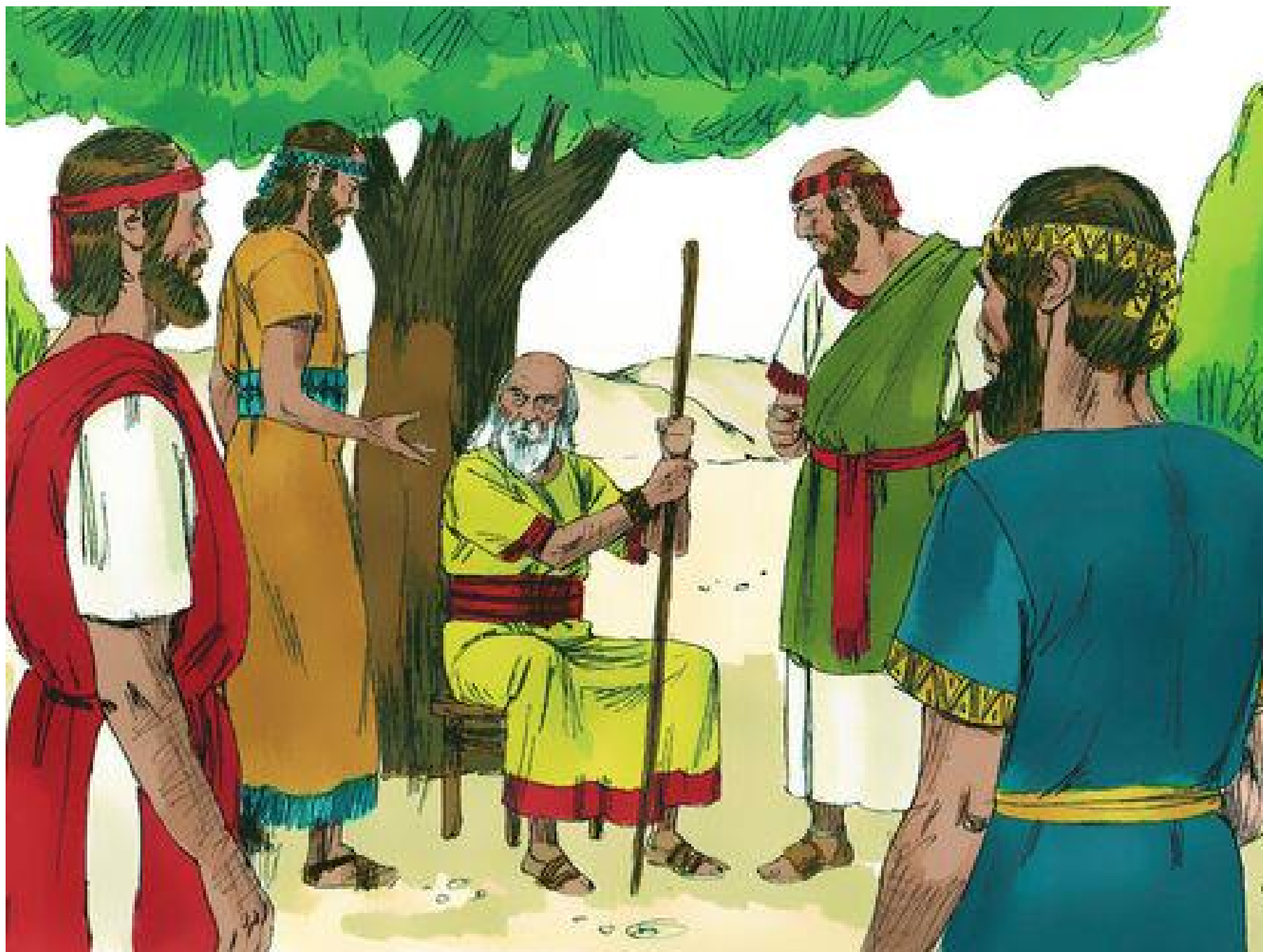
पर शमुएल तै परमेश्वर रै बवन दि परमेश्वर रि
सेवा कौरै थौ। एली सेजै दुसु दि बुड़ौ उइ गोअ थौ,
तैबै तेसकै एशौ पौतौ लागौ, कि तेसरै बेटा एशौ
काम रौयै कौरदै लागी, तैबै तिणी आपड़ै बेटाउँ
आरि बोलौ, जुणजै काम तुमैं कौरदै रौऐ लागी
सेउ गलत।



ज़ौ कोई माणूछ, दुजै माणछेरै साथै, पाप कौरै तै
परमेश्वर तेसरौ न्याय कौरै लौ। पर कोई माणूछ ज़ौ
परमेश्वर रै खिलाफ पाप कौरै लौ तै तेस खि
प्राथना कूण कौरै, एज़ी बुशै शुणनै बासियै बि तिउं
आपड़ै पापा रि बुशै ना मानी, एज़ी बौज़ै कौइ
परमेश्वर तिउं ज़ाँगणै चायै थौ।



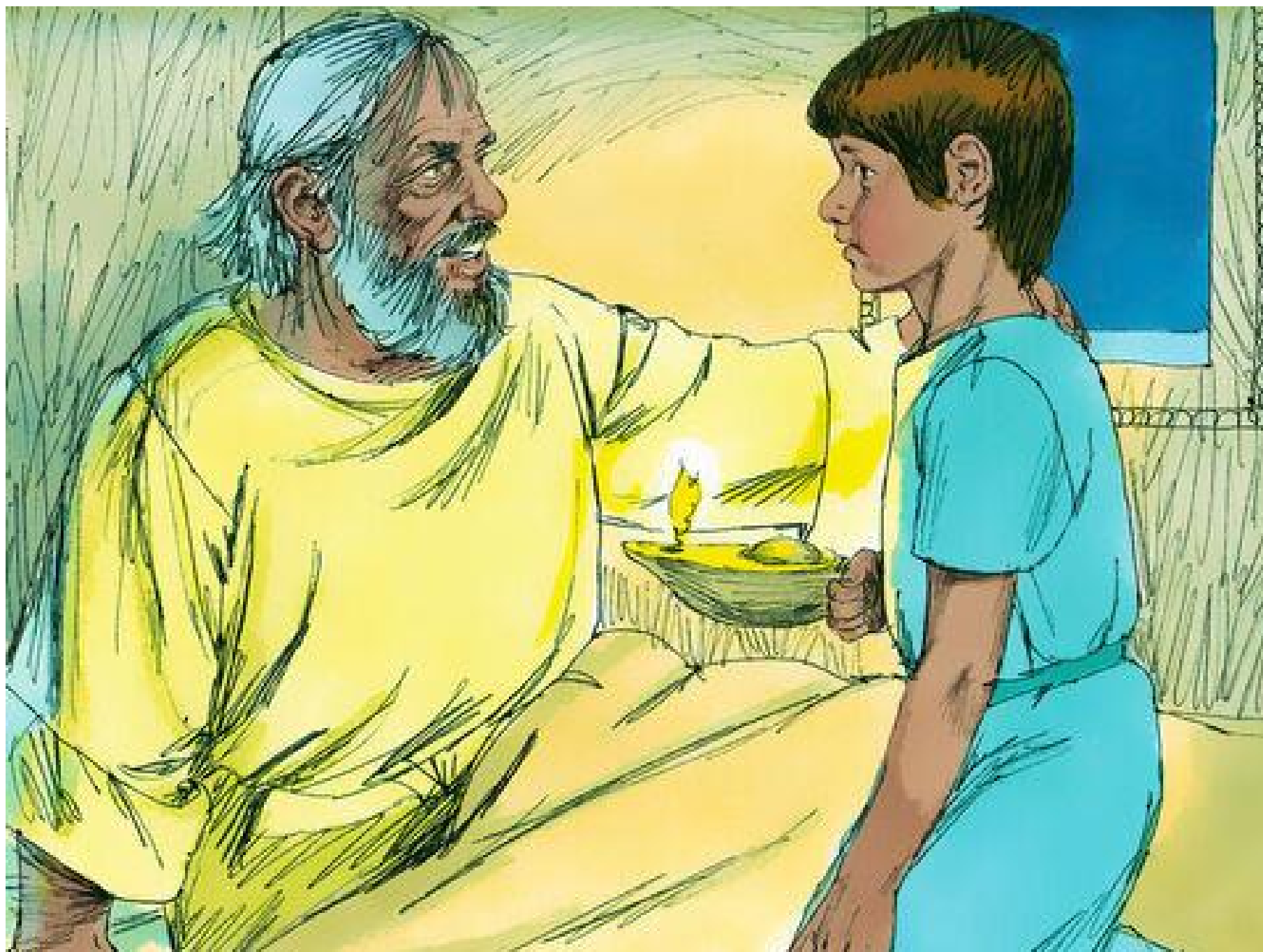
परमेश्वर औज़ि लोग शमुएल कौइ खुश रौए थौ,
तैबै परमेश्वर रौ सेवकेइ एली आरि बोलौ, कि
परमेश्वर एशौ बोलै, कि तेरै गौरे दि कोई बुड़ौ ना
औयै लौ बल्कि सै आपड़ी जुवानी दि मौरै लै।
औज़ि तेरी खानदानी कौइ आउं आपड़ी बेदी रि
सेवा ताउंकौइ पोरु गिणू औज़ि एज़ी बुशै रौ एज़ौ
सबूत औयै लौ, कि तेरै दुइया बेटा एकी दुसे दि
मौरै लै।



पर आऊँ आपके खि एक बिश्वास लाइक याजक
थौऊ लौ, जूण मेरै जिउँ रि इछा कौइ काम कौरै
लौ। ज़ो कुछ तेरै गौरै दि बौचि रौयै लौ सेउ
तेसकाई डेइयौ रोटी खि दण्डवत कौरै लौ, कि मुकै
कुछ काम दै, ज़ेसकौइ मुकै कुछ रोटी मिलै ली।



एक दूस जौ शमुएल परमेश्वर रौ सिन्दुक काई
सुतौन्दौ थौ, तैबै परमेश्वरेइ सेउ औटाओ, तैबै
तिणी बोलौ का (बोलै आदेश), औज़ि तैबै सेउ
दोड़ियौइ याजक काई डैओ। औज़ि तेसारी बोलौ,
आउँ ताइं औटाओ? पर एलीएइ बोलौ कि मुइं ना
औटाओ, डेऊ सुती रौउ, तैबै सेउ डेइयौ सुती रौ।



परमेश्वर तेस खि चिन बैरै औटाउवौ, औज़ि सेउ
चिन्या बैरै एली काई डैऔ औज़ि तेसारी बोलौ,
आउँ ताइं औटाऔ? पर एलीएइ बोलौ नाआ, तैबै
एली सौमज़ौ कि एस माऊं खि परमेश्वर औटाउवौ,
एज़ी बौज़ै कौइ एलीएइ तेसारी बोलौ, ज़ौ ताउँ खि
सेउ दुज़ालियै औज़ि औटाइयै लौ, तै तु तेसारी
एशौ बोलै, ए परमेश्वर बोल, आउँ तेरौ दास शुण्डै
रौ लागी।



तैबै शमुएल डेइयौ सुती रौ, तैबै परमेश्वर तेस खि
औज़िपै औटाउवौ तैबै तिणी बोलौ, बोल तेरौ दास
शुण्डै रौ लागी। तैबै परमेश्वरेइ तेसारी बोलौ, आउँ
इस्राइल दि एशौ काम कौरु, कि शुणने वाळै बि
(थौर थौरायैलै या परेशान औयै लै) औज़ि ज़ो
कुछ मुइं एली रै खिलाफ दि बोलौ, सेउ सारौ पुरौ
औयै लौ।



रात्ती जौ शमुएल बिउजौ, तै एलिएइ तेसकौइ पुछौ,
तै शमुएलेइ तेसारी सारौ कुछ बोली दैऔ,
परमेश्वर शमुएल रै साथै रौए थौ, औजि तिणी
शमुएल रि केजी बि बुशै बेकार ना देइ औणै। औजि
कुछ दूस बासियै एली रै बेटा लौड़ाइ दि पोरु मौरै,
औजि एली बि खुशी माइं कौइ दौनी रुळौ, तै तेसरौ
केरकौ चुटौ। केरकौ चुटणे रै बौजै कौइ सेउ बि
पोरु मौरौ।

For the Teacher

This Big Book is designed to be used for two weeks. It promotes enjoyment of storybooks, development of vocabulary, the skills of prediction, sequencing and main idea, and the understanding that books are made up of words.

On **Monday**, the teacher

- shows everyone the cover of the book
- reads the title, while moving a finger under it
- turns to the first page, and discusses the picture (asks the children to predict what will happen)
- reads the text on the first page, fluently (not slowly), and
- asks the children what they think they will see on each page. (The teacher is the only one “reading.”)

On **Tuesday**, the teacher

- shows everyone the book, and
- reads the story again, following the words with a finger, without as much discussion of the pictures.

On **Wednesday**, the teacher

- invites children to join in with “reading” when the story comes to parts which are familiar to them
- shows a flashcard from the story and tells the class what the card says, and
- invites children to find the same word in the storybook (or to match the card with the word in the book to see if it is the same)

On **Thursday**, the teacher

- points smoothly to the words in the story and lets some volunteers “read” a page, if they can remember the story by now, and
- lets the children match the flashcards to the words in the story.

On **Friday**, the children

- act out (dramatize) the story as others help the teacher “read” it.

यह किताब NLCI संस्थान के द्वारा तैयार की गई है।

हम मातृभाषा में साक्षरता कार्यक्रम करते हैं। जिसके अन्तर्गत हम अपने क्षेत्र में अलग अलग भागों में शिक्षा देते हैं। जिसमें हमारा उद्देश्य यह है कि, हमारे क्षेत्र के असाक्षर लोग और बच्चे साक्षर हो सकें। और पढ़ लिख कर अपने समाज का विकास कर सकें।

हम जानते हैं कि हमारे क्षेत्र के अधिकतम लोग बोल-चाल में हो या काम-काज में हर स्थान पर अपनी मातृभाषा का उपयोग करते हैं। इसलिए हम अपने क्षेत्र के लोगों के लिए जो भी पाठ्य सामग्री तैयार करते हैं। उसे उन्हीं की मातृभाषा में तैयार करते हैं। जिससे उन्हें पढ़ने और लिखने में आसानी हो और वो जल्दी ही पढ़ना और लिखना सीख सकें।

हम अपनी संस्था में साक्षरता के द्वारा मातृभाषा में वयस्क शिक्षक ही नहीं चलाते बल्कि, अपने क्षेत्र में पढ़े-लिखे लोगों के लिये तथा बच्चों के लिये भी अलग-अलग तरह की पाठ्य सामग्री भी उन्हीं की मातृभाषा में उपलब्ध कराते हैं। जिससे की बच्चे अपने बचपन से ही अपनी मातृभाषा को महत्व दें जिससे हमारी भाषा लुप्त ना हो। हम प्रार्थना करते हैं कि हमारे क्षेत्र के सभी लोग पढ़ लिख सकें और हमारे क्षेत्र का और अधिक विकास हो सकें।

.....धन्यवाद.....



This book was created with some Bloom Enterprise features enabled at no cost in order to support projects solely funded by the local community.